सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 149 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 4 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अपने हृदय में उस दिव्य चिंगारी, जिसे अंतरात्मा कहते हैं, को जिंदा रखने के लिए मेहनत करो।

-जार्ज वाशिंगटनन

लोगों को गुमराह करना मोदी की... 7 | हादसे पर हादसे पर जांच के बाद... 3 | जो सरकार आपात स्थिति में इलाज... 2

नीट-यूजी धांधली को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

फोटो: सुमित कुमार

» शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को हटाने की मांग

» सड़क जामकर सत्ता को झकझोरा

» पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया बल का प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एनईईटी-यूजी के संचालन में कथित अनियमितताओं के खिलाफ उप्र यूथ कांग्रेस ने राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की इस्तीफे की मांग भी की। उधर पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए विधान सभा के चारो ओर छावनी बना दिया था। इससे पहले बुधवार को एनएसआईयू ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार संस्था राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को खत्म किया जाए। इससे पहले इंडिया गठबंधन के पार्टियों के छात्र संगठनों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर संयुक्त विरोध प्रदर्शन किया था। कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ और वामपंथी संगठनों - ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) सहित विभिन्न छात्र समूहों से जुड़े लगभग हजारों प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया। एक दिन पहले विपक्षी दलों के छात्र संगठनों के नेताओं ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी।

कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

छात्र संगठनों ने पूरे देश में किया विरोध

एसएफआई ने कहा, एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री परीक्षा की न्यायसंगत और सक्षम प्रणाली सुनिश्चित करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जो पेपर लीक और परीक्षाओं के स्थगन से स्पष्ट है। हम छात्रों के साथ अन्याय के खिलाफ अपनी लड़ाई तब तक जारी रखेंगे जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जाती।

पुलिस ने छात्रों पर किया केस

उधर दिल्ली में पुलिस ने छात्रों पर धारा 223 (ए) (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 221 (लोक सेवक को सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में बाधा डालना) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 121(1) (लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना), और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल)।

हाथरस जाएंगे राहुल गांधी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाथरस का दौरा करेंगे। वे यहां भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसकी जानकारी दी। वेणुगोपाल ने बताया, हाथरस की घटना दुखद है। राहुल गांधी जल्द हाथरस जाएंगे और पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने न्यायिक जांच के लिए समिति गठित कर दी है। हाथरस के हादसे की जांच के लिए राज्य सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है। आयोग दो माह में अपनी जांच पूरी करने के बाद रिपोर्ट देगा। आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस हेमंत राव और सेवानिवृत्त डीजी भवेश कुमार सिंह को सदस्य बनाया गया है। वहीं बाबा साकार हरि फरार है। पुलिस ने कई गिरफ्तारियां भी की हैं।

» यूपी सरकार ने हादसे की जांच के लिए न्यायिक समिति बनाई

यह हादसा है, साजिश नहीं : रामगोपाल

सपा ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सपा सांसद राम गोपाल यादव ने हाथरस हादसे पर कहा, कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है, ज्यादा भीड़ हो जाती है। भोले बाबा से लोगों की आस्था इतनी थी, जिस वजह से बड़े पैमाने पर भीड़ हुई। सरकार इसकी जांच कर रही है, यह हादसा है न कि कोई साजिश है, जैसा कि लोग कह रहे हैं।

बंगाल गवर्नर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला कर्मचारी

» बंगाल सेक्शुअल हैरेसमेंट केस पर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल राजभवन की एक महिला स्टाफ सदस्य ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को दी गई छूट को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने अदालत से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया है कि क्या यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ के कृत्यों को राज्यपाल के आधिकारिक कर्तव्यों का हिस्सा माना जा सकता है, जिससे उन्हें अनुच्छेद 361 के तहत छूट मिल सकती है।

इसमें पीड़ितों द्वारा सामना किए जाने वाले संभावित अन्याय को उजागर

करने की मांग की गई है, यह सवाल करते हुए कि क्या उन्हें इंतजार करना चाहिए राज्यपाल को न्याय मांगने से पहले पद छोड़ना होगा। राज्यपाल के खिलाफ दीवानी मुकदमा दो महीने के नोटिस के बाद शुरू किया जा सकता है।

विश्व विजेताओं की वतन वापसी स्वागत के लिए उमड़ा पूरा देश

» देर रात से ही एयरपोर्ट पर फैंस का लगा जमावड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप विजेता रही भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर चुकी है और उनके स्वागत के लिए क्रिकेट फैंस की भीड़ पहले ही से एयरपोर्ट के बाहर उमड़ी हुई है। क्रिकेट फैंस की भीड़ को देखते हुए पुलिस द्वारा एयरपोर्ट पर टीम इंडिया के स्वागत के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। साथ ही उस होटल के भी कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, जहां मुंबई जाने से पहले टीम इंडिया ठहरेगी।

जानकारी के मुताबिक टीम इंडिया के गुरुवार सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर नई दिल्ली पहुंची है। भारतीय टीम बारबाडोस

में श्रेणी चार के तूफान आने के कारण पिछले 3 दिनों से वहीं फंसी हुई थी और

पीएम आवास पर टीम इंडिया से मिले प्रधानमंत्री

टीम इंडिया ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इससे पहले टीम इंडिया को होटेल में नाश्ते में छोले-भटूरे और लस्सी मिले। विराट कोहली के साथ-साथ टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों को छोले-भटूरे पसंद है। रोहित ब्रिगेड आईटीसी मौर्या होटल मे पहुंची थी। यहां टीम इंडिया के लिए खास नाश्ता तैयार किया गया है।

आखिकार वो बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गई थी।

विपक्ष ने योगी सरकार पर किया जोरदार हमला, कहा-

जो सरकार आपात स्थिति में इलाज नहीं दे सकती वह विश्वगुरु क्या बनाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस हादसे के बाद यूपी की सियासत भी गरमाई हुई। सूबे की योगी सरकार पर विपक्ष का चौतरफा वार भी जारी है। सपा, कांग्रेस, बसपा समेत सभी दलों ने बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए दोषियों पर तुरंत कार्रवाई मांग की है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दुनिया में विश्वगुरु बन जाने की बात करती है। बड़े-बड़े दावे करती है कि दुनिया में भारत पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी, तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि यह सरकार आपात स्थिति में लोगों को ठीक से इलाज नहीं दे सकती।

समाजवादी पार्टी और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुई सत्संग भगदड़ की घटना के लिए बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया। सपा नेता ने कहा कि यह पहली घटना नहीं है जब लापरवाही देखने को मिली हो। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को पता है कि जब कभी इस तरह के कार्यक्रम होते है, बड़ी संख्या में

लापरवाहियों की लंबी लिस्ट पर जवाबदेही नहीं : प्रियंका

वहीं, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि अनुमति से तीन गुना ज्यादा भीड़, मौके पर प्रशासन नहीं, भीड़ मैनेजमेंट का इंतजाम नहीं, भीषण गर्मी से बचने का कोई उपाय नहीं, कोई मेडिकल टीम नहीं, घटना के बाद एंबुलेंस नहीं, मदद के लिए फोर्स नहीं, अस्पताल में डॉक्टर और सुविधाएं नहीं... लापरवाहियों की इतनी लंबी लिस्ट लेकिन किसी की कोई जवाबदेही नहीं। हाथरस में जो दुखद घटना घटी, उसका जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि कभी पुल गिरने से, कभी ट्रेन एक्सीडेंट से, कभी भगदड़ से सैकड़ों मौतें होती हैं। लीपापोती करने की बजाए सरकार का दायित्व होता है कि कार्रवाई करे और ऐसे हादसों को रोकने की योजना तैयार करे। मगर जवाबदेही तय होती नहीं है और ऐसे हादसे होते रहते हैं। यह बहुत दुखद स्थिति है।

बीजेपी ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया

भाजपा सरकार ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया है। यह कैसी अर्थव्यवस्था है जहां न अस्पताल है न दवाई है न इलाज और न ऑक्सीजन है। भाजपा सरकार के सभी दावे झूठे है। इस सरकार में झूठ और लूट के अलावा कुछ नहीं है। भ्रष्टाचार चरम पर है। हर विभाग और हर जगह भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि अगर अनुमति 50 हज़ार लोगों की थी तो प्रशासन क्या सो रहा था? क्यों जाने दिया लोगों को, बैरिकेडिंग कहा थी? रोकने के इंतजाम कहां थे?

बांसुरी स्वराज को गृह मंत्रालय ने दी अहम जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सदस्य के रूप में बांसुरी स्वराज की नियुक्ति को अधिसूचित किया। बांसुरी स्वराज लोकसभा में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं और भारतीय जनता पार्टी से हैं।

यह एनडीएमसी द्वारा अपनी परिषद की बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसके समक्ष रखे गए एजेंडे में कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बुधवार को परिषद की बैठक की कार्यवाही शुरू करने से पहले, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने नवनिर्वाचित सांसद बांसुरी स्वराज को एनडीएमसी के सदस्य और नवनियुक्त अध्यक्ष नरेश कुमार को शपथ दिलाई। एक बयान के अनुसार, परिषद की बैठक के दौरान, एनडीएमसी ने 25 वर्षों के लिए दीर्घकालिक आधार पर आवंटन के लिए अपने आईएसटीएस ट्रेंच-द्वारका में उपलब्ध भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) के माध्यम से 200 मेगावाट सौर ऊर्जा की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के तबादले पर रार

आप सरकार व एलजी में तकरार, सचिव ने नहीं माना मंत्री आतिशी का आदेश

» शिक्षक आज उपराज्यपाल से करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकारी स्कूलों के पांच हजार से अधिक शिक्षकों का एक ही दिन में ट्रांसफर कर दिया गया है। यह ऐसे शिक्षक हैं जो कि एक स्कूल में दस वर्ष या उससे अधिक समय से पढ़ा रहे थे। सोमवार को शिक्षा मंत्री आतिशी ने शिक्षा सचिव को पत्र जारी कर इस फैसले को वापस लेने को कहा था। बावजूद इसके शिक्षकों के ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिए गए। इससे शिक्षकों में रोष है। इस मामले को लेकर शिक्षकों ने बुधवार को शिक्षा निदेशक से भी मुलाकात की। मामले में शिक्षक बृहस्पतिवार उप राज्यपाल से मुलाकात करेंगे।

दरअसल हाल ही में एक ही स्कूल में 10 साल से अधिक समय तक सेवा करने वाले सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से ट्रांसफर के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया गया था। ऐसा न करने पर उन्हें शिक्षा निदेशालय द्वारा किसी भी स्कूल में स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। निदेशालय के इस फैसले से शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ था। उनकी समस्याओं को देखते हुए शिक्षा मंत्री आतिशी ने दिल्ली के शिक्षा सचिव को पत्र जारी कर कहा था कि वह शिक्षकों के हित में इस फैसले को वापस लें। उन्होंने मामले में सात दिनों में कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब की थी। शिक्षा मंत्री के पत्र जारी किए जाने के एक दिन बाद ही रातों रात पांच हजार छह शिक्षकों का ट्रांसफर कर दिया गया।

शिक्षा मॉडल को खत्म करने के लिए हुए तबादले : आप

आप का आरोप है कि भाजपा ने उपराज्यपाल के जरिये दिल्ली के शिक्षा मॉडल को कमजोर करने की साजिश रची है। इसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। आप विधायक दिलीप पांडेय ने दावा किया कि शिक्षक संघों के जरिए जब यह मामला शिक्षा मंत्री आतिशी के संज्ञान में आया तो उन्होंने तबादले रद्द करने का निर्देश दिया था।

शिक्षा निदेशालय सचिव को कारण बताओ नोटिस

शिक्षा मंत्री आतिशी ने शिक्षकों के तबादले रोकने के उनके आदेश की अवहेलना करने पर शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशालय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने एक जुलाई को लिखित आदेश में निर्देश दिया था कि किसी भी शिक्षक का तबादला इसलिए न किया जाए क्योंकि उसने किसी एक स्कूल में 10 साल से ज्यादा का कार्यकाल पूरा कर लिया है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 239ए का हवाला देते उल्लेख किया कि दिल्ली की निर्वाचित सरकार राज्य सूची और समवर्ती सूची में सूचीबद्ध मामलों के संबंध में कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करती है।

उपचुनाव पर सपा बना रही मजबूत रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया। संत्रों के अनुसार पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा करने के लिए भाजपा के रणनीतिक पत्तों के खुलने का इंतजार करेगा। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित सपा नेतृत्व ने इस चुनाव में भी जी-जान से जुटने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है।

» जल्द प्रत्याशी तय करेगी सपा
» अखिलेश व अवधेश की सीटों पर चर्चा शुरू

बता दें कि सीसामऊ (कानपुर) की सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि अन्य नौ के विधायकों के सांसद चुने जाने से उपचुनाव हो रहा है। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी।

करहल व अयोध्या पर रहेगी नजर

करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं।

जातिगत समीकरणों पर जोर

सूत्रों का कहना है कि भाजपा के प्रत्याशियों को देखते हुए पार्टी अपने जातिगत समीकरणों का आकलन करेगी और उसी के आधार पर रणनीति बनाएगी। यही वजह है कि मीरापुर (मुजफ्फरनगर) सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है। खैर (अलीगढ़) में निर्दल प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार चल रहा है। रालोद के एक नेता भी टिकट के लिए सपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। फूलपुर से पटेल या कुशवाहा बिरादरी के नेता पर सपा दांव लगाएगी। मझवा (मिर्जापुर) में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है। गाजियाबाद में जाट और दलित समीकरणों पर विचार हो रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

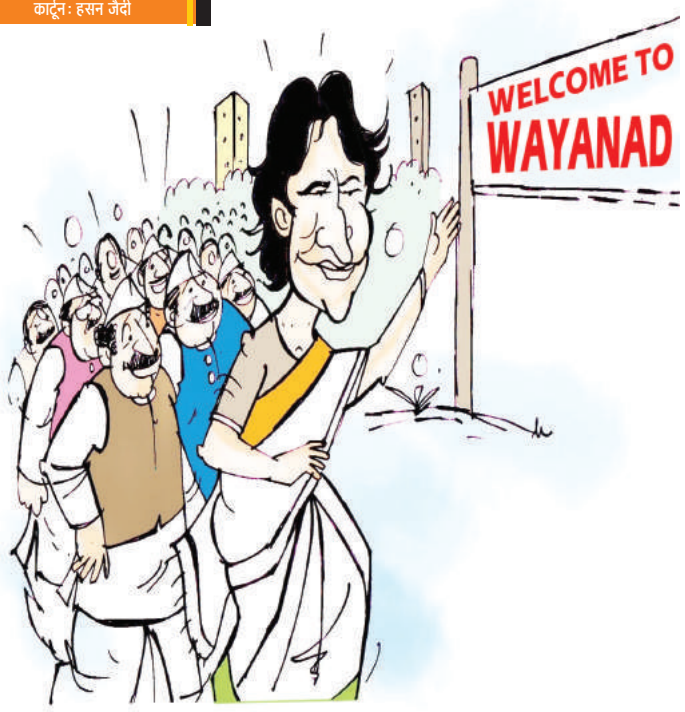

आपदा में केंद्र ने नहीं दी कोई सहायता : सीएम सुक्खू

» बोले- कांग्रेस ने हमीरपुर से बनाया मुख्यमंत्री, जिले के लालची विधायकों को नहीं आया रास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हमीरपुर सदर से विधानसभा उपचुनाव के कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा के प्रचार के लिए दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बल्ह से प्रचार अभियान शुरू किया। बलोह, नाहलवीं और धरोग आदि जगहों पर मुख्यमंत्री ने जहां विपक्ष में बैठी भाजपा पर कई सियासी हमले किए

वहीं, हमीरपुर सदर से बीजेपी के प्रत्याशी आशीष शर्मा पर भी नुक्कड़ सभाओं में कई आरोप जड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के समय भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने कांग्रेस सरकार के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया और केंद्र से आर्थिक सहायता लेने के आग्रह पर भी उन्होंने साथ देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि आपदा के समय में 22 हजार लोग सड़कों पर आ गए, लेकिन केंद्र की तरफ से कोई सहायता नहीं आई। आपदा प्रभावित लोगों को बसाने के लिए कानून बदलकर आर्थिक सहायता डेढ़ लाख से बढ़ाकर सात लाख कर दी।

हादसे पर हादसे पर जांच के बाद सब 'फुस्स'

हाथरस में दर्दनाक घटना के बाद सियासी उबाल

» सरकार के कामकाज पर उठा सवाल

» पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं, जांच के नाम पर सिर्फ खाना-पूर्ति

» संसद तक में उठा मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस के दर्दनाक हादसे ने एकबार फिर सरकारी व्यवस्था की पोल खोल दी है। हादसे में जहां सौ से ज्यादा लोगों की जान भगदड़ मचने की वजह से हो गई। हादसे में मरे लोगों के आंसू अभी थमे नहीं है पर उस पर सियासत भी शुरू हो गई। यूपी में सत्ता में बैठी बीजेपी सरकार व सबसे बड़े विपक्षी दल सपा के बीच जुबानी जंग भी चरम पर है। जहां विपक्ष के नेता सीएम योगी की सरकार को घरेते हुए इस घटना के लिए योगी सरकार को जिम्मेदार बता रहे हैं वहीं बीजेपी व योगी इसके पीछे साजिश होने की बात भी कह रहे हैं। सच क्या है ये तो जांच के बाद ही पता चलेगा। पर सबसे बड़ी बात है जब इस सत्संग के कार्यक्रम के लिए मात्र कुछ हजार लोगों की इजाजत थी तो लाखों की संख्या में लोग कैसे पहुंचे। प्रशासन को अगर इसकी जानकारी थी वह सचेत क्यों नही हुआ।

अब प्रश्न ये उठ रहा है इन सैकेड़ों मौतों की जिम्मेदारी किसकी है और कब रूकेंगे इस तरह क हादसे। बता दें महीने के पहले मंगलवार यानी 2 जुलाई के दिन ये सत्संग शुरू हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे पहुंचे। सत्संग देर दोपहर खत्म हुआ और अचानक से वहां पर भगदड़ शुरू हो गई। प्रथम दृष्टया भगदड़ का कारण बाबा साकार हरि की पैरों की धूल लेने को बताया जारही है। भगदड़ में लगभग 121 से ज्यादा लोग मारे गए और 28 घायल हो गए। घटनास्थल से आई तस्वीरें और वीडियो भयावह हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश के हाथरस के सिंकदरराव इलाके का गांव फूलरई जो ईंटा जिले से सटी हुई है। यहां मानव मंगल मिलन समागम सदभावना समिति द्ववारा एक सत्संग का आयोजन किया गया था। सत्संग नारायण हरी सरकार का था। जिन्होंने उनके अनुयायी भोले बाबा कहते हैं। महीने के पहले मंगलवार यानी 2 जुलाई के दिन ये सत्संग शुरू हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे पहुंचे। सत्संग देर दोपहर खत्म हुआ और अचानक से वहां पर भगदड़ शुरू हो गई। भगदड़ का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है कि क्या हुआ और कैसे हुआ? उत्तर प्रदेश प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों के साथ एक फोरेंसिक इकाई, एक डॉग स्क्वाड भगदड़ स्थल पर हैं। राज्य सरकार ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हाथरस पहुँच कर भगदड़ वाली घटना के स्थल का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। वहीं पूरे संसद ने पीड़ित परिवारों के लिए मदद की बात कह।

इससे पहले भी हुए कई बड़े हादसे

वैसे पहली बार नहीं है कि इस तरह की आपदा ने कई लोगों की जान ले ली है। भारत में ऐसी ही त्रासदियों के बारे में आपको विस्तार से इस रिपोर्ट के जरिए बताते हैं। महाराष्ट्र मुंबई रेलवे स्टेशन, 29 सितंबर 2017,23 से अधिक की मौत, लगभग 39 घायल ,बारिश हो रही थी और यात्री पहले से ही भीड़भाड़ वाले एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन के फुट ओवरब्रिज पर शरण लेने के लिए रुक गए। रेलगाड़ियाँ आती रहीं और जल्द ही क्रश बनना शुरू हो गया। शॉर्ट-सर्किट के बाद हुई तेज आवाज से अफरा-तफरी मच गई। भीड़ में कुछ लोग फिसल गए तो भगदड़ मच गई। उत्तर प्रदेशः प्रयाग कुम्भ मेला 10 फरवरी 2013- 40 से अधिक लोग मारे गए, 45 घायल। यह कुंभ मेले का सबसे व्यस्त दिन था। बताया गया कि मुख्य स्नान के दिन लगभग 30 मिलियन लोग प्रयागराज (तब इलाहाबाद) में एकत्र हुए थे। यह भगदड़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर भीड़भाड़ के कारण मची, जहां हजारों यात्री ट्रेन में चढ़ने के लिए एकत्र हुए थे।

महाराष्ट्र में चली गई थी 5 सौ की जान

महाराष्ट्र के मंढेर देवी मंदिर में 25 जनवरी 2005 लगभग 340 श्रद्धालु मारे गए, कई घायल हुए थे। शाकंभरी पूर्णिमा के दिन वार्षिक तीर्थयात्रा करने के लिए लगभग 300,000 लोग मंढेर देवी मंदिर में एकत्र हुए। भीड़ तब शुरू हुई जब कुछ तीर्थयात्री मंदिर की पत्थर की सीढ़ियों पर फिसल गए, जो प्रसाद से गिरे नारियल पानी के कारण फिसलन भरी हो गई थी। वहीं नासिक कुंभ मेला 27 अगस्त 2003 को 39 तीर्थयात्रियों की मौत, 125 से अधिक घायलहुए थे। महास्नान के लिए भक्त गोदावरी नदी के तट पर एकत्र हुए थे। 30,000 से अधिक तीर्थयात्रियों को बाड़ द्वारा रोका जा रहा था, ताकि साधु पहला औपचारिक स्नान कर सकें। कथित तौर पर, एक साधु ने भीड़ में कुछ चांदी के सिक्के फेंके और उसके बाद हुई हाथापाई से भगदड़ मच गई।

एफआईआर में कई बड़े खुलासे

इस बीच इस हादसे को लेकर ऐसी जानकारी सामने आई है जिससे हर कोई हैरान है। बताया जा रहा है कि बाबा के सेवादारों ने हादसे के सबूतों को छिपाने के लिए साजिश रची। हाथरस मामले में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। सत्संग कार्यक्रम के मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 110, दर्ज हुई एफआईआर में हैरान कर देने वाली बातों का जिक्र किया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि आयोजकों ने साक्ष्य छिपाए और शर्तों का उल्लंघन किया। हाथरस मामले में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। सत्संग कार्यक्रम के मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 110, 126(2), 223 और 238 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस एफआईआर में जगत गुरु साकार विश्वहरि भोले बाबा का नाम नहीं है।प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि आयोजकों ने अनुमति मांगते समय सत्संग में आने वाले भक्तों की वास्तविक संख्या छिपाई। एफआईआर के मुताबिक आयोजन में ढाई लाख लोग आए थे जबकि आयोजकों ने 80 हजार लोगों के कार्यक्रम की अनुमति ली थी। इसके साथ ही आयोजकों की ओर से ट्रैफिक मैनेजमेंट का कोई इंतजाम नहीं था। 80 हजार की इकट्ठा होने की मांगी गई अनुमति के अनुसार ही पुलिस और प्रशासन की ओर से भीड़ की सुरक्षा, शान्ति व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन किया गया था। लेकिन कार्यक्रम में लगभग ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से स्थिति आउटआफ कंट्रोल हो गई। जीटी रोड पर जाम लग गया, यातायात अवरुद्ध हो गया। एफआईआर में कहा गया है कि भीड़ के दबाव के बावजूद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने हर संभव प्रयास किया और उपलब्ध संसाधनों से घायलों को अस्पतालों में भेजा और कहा कि आयोजकों और सेवादारों ने सहयोग नहीं किया। आयोजकों ने सबूत छिपाकर और श्रद्धालुओं की चप्पलें और अन्य सामान पास के खेतों में फसलों में फेंककर कार्यक्रम में आने वाले लोगों की वास्तविक संख्या को छिपाने की कोशिश की।

ढाई दशक से भोले बाबा चला रहा था सत्संग का साम्राज्य

अभिसूचना इकाई (एलआईयू) में खुफिया सूचनाओं के संग्रह का जिम्मा संभालने वाले सूरजपाल सिंह का अभिसूचना विभाग की सेवा से अचानक ऐसा मोह भंग हुआ कि उन्होंने सन 1997 में सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का फैसला लिया। वह सूरजपाल से भोले बाबा बन गए। वर्ष 1999 में अपने गांव के ही घर को आश्रम का रूप दे दिया। पटियाली क्षेत्र के बहादुर नगर निवासी सूरजपाल सिंह की

अभिसूचना विभाग में सिपाही के रूप में तैनाती हुई। इसके बाद वह हेड कांस्टेबल पद पर प्रोन्नत हुए और उन्होंने हेड कांस्टेबल पद पर रहते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। सत्संग प्रवचन शुरू होने के साथ ही सूरजपाल को भोले बाबा के रूप में पहचान मिली तो उनकी पत्नी को माताश्री के रूप में पहचान मिली। इनको कोई संतान नहीं है। 1997 के बाद से शुरू हुई भोले बाबा की आध्यात्मिक यात्रा का प्रचार प्रसार तेजी से हुआ। भोले बाबा के सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर पहुंचने लगे और भोले बाबा द्वारा अपने हाथों से स्पर्श करके बीमारियां दूर करने का दावा करते रहे। सत्संग और चमत्कार के मोह में उनके अनुयायियों का कारवां बढ़ता चला गया।

आश्रम में सिर झुकाकर जय जयकार करते थे भक्त

इस ढाई दशक की यात्रा में हजारों लोग उनके सत्संग में पहुंचने लगे। लोग उनके चमत्कारों को लेकर लगातार उनके अनुयायी बनते चले गए। पटियाली ही नहीं बल्कि कासगंज, एटा, बदायूं, फर्रुखाबाद, हाथरस, अलीगढ़ के अलावा दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में भोले बाबा की धूम होने लगी और हजारों लाखों लोग देश में उनके अनुयायी बन गए। भोले बाबा के अनुयायी उनके प्रति कट्टर भी हैं कोई भी बाबा की आलोचना सुनना पसंद नहीं करता है।

कोई भी दोषी हो सजा मिलेगी : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हाथरस का दौरा किया। इससे पहले, राज्य सरकार ने त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों को 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की थी। हाथरस में यूपी के सीएम आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इससे पहले योगी ने अस्पताल में घायलों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता बचाव और ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित करने की थी। योगी ने बताया कि मेरी कई चश्मदीदों से बातचीत हुई और उन्होंने मुझे बताया कि यह घटना कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुई जब सत्संग के प्रचारक मंच से नीचे आ रहे थे, अचानक कई महिलाएं उन्हें छूने के लिए उनकी ओर बढ़ने लगीं और तभी सेवादार उन्हें रोका, जिसके कारण यह हादसा हुआ। प्रशासन को सेवादारों ने अंदर नहीं

घुसने दिया। उन्होंने कहा कि हमने एडीजी आगरा के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया है। इसने एक प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। उन्हें इसकी गहराई से जांच करने को कहा गया है। ऐसे कई पहलू हैं जिनकी जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने न्यायिक जांच कराने का भी निर्णय लिया है, जिसका नेतृत्व उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे। इसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। सीएम ने न्यायिक जांच का ऐलान करते हुए कहा कि इस मामले में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

न ऑक्सीजन, न दवाई, न इलाज मिल पाया : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि यह बहुत दर्दनाक है... जिन परिवारों के सदस्यों की जान गई है उन्हें दुख सहने की शक्ति मिले. जो हादसा हुआ है यह सरकार की लापरवाही है। ऐसा नहीं है कि सरकार को इस कार्यक्रम की जानकारी न हो। जब कभी भी इस प्रकार के कार्यक्रम होते हैं तो बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होते हैं. इस लापरवाही से जो जानें गई है उसकी ज़िम्मेदार सरकार है। कोई अगर अस्पताल पहुंच भी गया तो उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल पाया। ना ऑक्सीजन, ना दवाई, ना इलाज मिल पाया. इसकी ज़िम्मेदार भाजपा है जो बड़े-बड़े दावे करती है कि हम विश्वगुरु बन गए हैं, क्या अर्थव्यवस्था का मतलब यह है कि किसी आपातकाल स्थिति में आप लोगों का इलाज न कर पाएं? अखिलेश यादव

ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर भी हमला बोला है। उत्तर प्रदेश में इस तरह की कोई पहली घटना नहीं है। इस तरह की घटना दोबारा ना हो इसके लिए सरकार और प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए. भोले बाबा के साथ अपनी तस्वरी वायरल होने पर अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी कितना घटिया काम कर सकती है। बीजेपी किसी भी निचले स्तर तक जा सकती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति के सम्मान से ही दूर होगी मुसीबत!

हमारे महानगरों में नदियों-तालाबों पर तेजी से कब्जा हो रहा है। वेटलैंड पर बिल्डिंगें खड़ी की जा रहीं, जो नैचरल वॉटर रिचार्ज सिस्टम का काम करते हैं। इसको रोकना होगा। इस बार जैसा रंग दिखाया है मौसम ने, उसके बाद हमारी नींद खुल जानी चाहिए। क्लाइमेट चेंज के जिस खतरे को लेकर पिछले कई बरसों से पर्यावरण के जानकार और वैज्ञानिक आगाह कर रहे थे, वह अब सिर पर आ पहुंचा है।

मानसून पूरे देश में आ गया है। इसी के साथ मैदानों से लेकर पहाड़ों तक में हादसों की बाढ़ भी आने लगी है। कुछ हादसे प्राकृतिक है कुछ मानवीय गलतियों की वजह से होते हैं। अब यह चर्चा हो रही अगर बिगड़ते मौसम को संभालना है तो कुछ कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। जड़ों की ओर लौटने और प्रकृति के सम्मान से ही इस मुसीबत से बचा जा सकता है। हमारे महानगरों में नदियों-तालाबों पर तेजी से कब्जा हो रहा है। वेटलैंड पर बिल्डिंगें खड़ी की जा रहीं, जो नैचरल वॉटर रिचार्ज सिस्टम का काम करते हैं। इसको रोकना होगा। इस बार जैसा रंग दिखाया है मौसम ने, उसके बाद हमारी नींद खुल जानी चाहिए। क्लाइमेट चेंज के जिस खतरे को लेकर पिछले कई बरसों से पर्यावरण के जानकार और वैज्ञानिक आगाह कर रहे थे, वह अब सिर पर आ पहुंचा है। अगर इस बारे में कुछ न किया गया तो यहां से हालात बदतर ही होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के तमाम दूसरे शहरों ने जून में ही मौसम के दो चरम झेल लिए। पहले जानलेवा गर्मी पड़ी। दिल्ली में जून का औसत अधिकतम तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद एकसाथ इतनी बारिश हो गई कि सारे इंतजाम पानी में बह गए। जान दोनों ने ली। अब यह सोचने वाली बात है कि जो शहर कुछ दिन पहले पानी की किल्लत से जूझ रहे थे, वे अचानक पानी में कैसे डूबने लगे? हर साल ऐसा लगता है कि गर्मी पिछले बरस से अधिक पड़ रही है। सर्दियों का मौसम सिकुड़ता जा रहा है, जबकि बारिश अनियमित हो चली है। ये सारे संकेत डराने वाले हैं और साथ ही चेताने वाले भी। क्लाइमेट चेंज के मुद्दे पर हमें दो स्तरों पर काम करने की जरूरत है पहला उपाय दीर्घकालिक हो और दूसरा फौरी। एक्शन प्लान और गाइडलाइंस पर काम करना होगा। आंध्र प्रदेश का उदाहरण ले सकते हैं, जहां हर साल हीटवेव से निपटने की सरकारी योजना बनती है। इसमें लॉन्ग टर्म के साथ शॉर्ट टर्म उपाय भी रखे जाते हैं। तुरंत राहत के रूप में उन लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिन्हें खुले में काम करना पड़ता है। सार्वजनिक कूल शेल्टर बनाए जा सकते हैं, जहां वे लोग दोपहर में आराम कर सकें, जिनकी मजबूरी है बाहर निकलना। लोगों को अपने घरों की बाहरी दीवारों और छतों पर सफेद पेंट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे घर के भीतर गर्मी कम लगती है। सरकारों के साथ आमजन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। हरियाली बढ़ानी होगी। सजावटी के बजाय नीम, पीपल, जामुन, आम जैसे पेड़ लगाए जाएं। घरों के निर्माण में पुरानी शैली अपनाई जाए यानी मोटी और ऊंची दीवारें, पर्याप्त वेंटिलेशन।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नये आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की चुनौती

प्रमोद जोशी

औपनिवेशिक व्यवस्था को बदलने की बातें अरसे से होती रही हैं, पर जब बदलाव का मौका आता है, तो सवाल भी खड़े होते हैं। ऐसा ही तीन नए आपराधिक कानूनों के मामले में हो रहा है, जो गत 1 जुलाई से देशभर में लागू हो गए हैं। स्वतंत्रता के बाद से न्याय-व्यवस्था में परिवर्तन की यह सबसे बड़ी कवायद है। ये कानून नए मामलों में लागू होंगे। जो मामले भारतीय दंड संहिता के तहत पहले से चल रहे हैं, उन पर पुराने नियम ही लागू होंगे। इसलिए दो व्यवस्थाओं का कुछ समय तक चलना चुनौती से भरा काम होगा। इस लिहाज से नए कानूनों को लागू करने से जुड़े तमाम तकनीकी-मसलों को चुस्त-दुरुस्त करने में भी चार-पांच साल लगेंगे। इसका अर्थ यह भी है कि देश में जब 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे, तब इन कानूनों की उपादेयता और निरर्थकता भी एक मुद्दा बनेगी।

इस लिहाज से इन कानूनों का लागू होना बहुत बड़ा काम है। चूंकि कानून-व्यवस्था संविधान की समवर्ती सूची में आते हैं, इसलिए राजनीतिक और प्रशासनिक सवाल भी खड़े होंगे। कर्नाटक उन राज्यों में से एक है, जिसने तीन नए कानूनों का अध्ययन करने के लिए औपचारिक रूप से एक विशेषज्ञों की समिति का गठन किया है। संभव है कि कुछ मसले अदालतों में भी जाएं। इन कानूनों की दो बातें ध्यान खींचती हैं। दावा किया गया है कि अब मुकदमों का फैसला तीन-चार साल में ही हो जाएगा। पुराने दकियानूसी कानूनों और उनके साथ जुड़ी प्रक्रियाओं की वजह से मुकदमे दसियों साल तक घिसटते रहते थे। दूसरे कुछ नए किस्म के अपराधों को इसमें शामिल किया गया है, जो समय के साथ जीवन और समाज में उभर कर आए हैं। इनमें काफी साइबर-अपराध हैं और कुछ नए सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल में उभरी प्रवृत्तियां हैं। जिस आईपीसी का स्थान भारतीय न्याय संहिता ने लिया है, वह अंग्रेज शासकों के हित में बनाई गई थी। उसका उद्देश्य न्याय से ज्यादा शासन करना था। सरकार का दावा है कि ये कानून औपनिवेशिक कानूनों की जगह पर राष्ट्रीय-दृष्टिकोण की स्थापना करेंगे, इसीलिए इनके नाम अंग्रेजी में नहीं, हिंदी में हैं।

हालांकि स्वतंत्रता के बाद से पुराने कानूनों में कई बार संशोधन किए गए, पर जैसा कि गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि ये कानून भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाए गए हैं। इन नए कानूनों

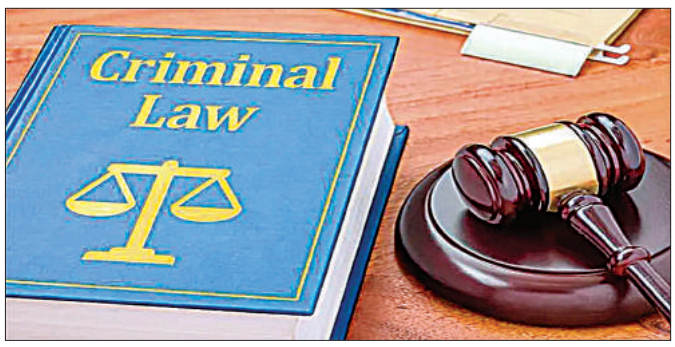

ने तीन पुराने कानूनों का स्थान लिया है। भारतीय दंड संहिता, 1860-आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 (आईई एक्ट) की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) 2023 लागू किए गए हैं। देश में इस बात को लेकर काफी हद तक आमराय रही है कि पुराने कानूनों में 'भारी बदलाव' की जरूरत है। नए कानून इस 'भारी बदलाव' को व्यक्त करते हैं या नहीं, यह इस वक्त चर्चा का विषय है। नए कानून की धारा 69 में शादी, रोजगार, प्रमोशन, झूठी पहचान आदि के झूठे वादे के आधार पर यौन संबंध बनाना नया अपराध जोड़ा गया है। इस आरोप में 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। कुछ आलोचकों का कहना है कि इस प्रावधान का दुरुपयोग किया जा सकता है और सहमति से बने रिश्तों को भी अपराध साबित किया जा सकता है। इसके जवाब में कहा जाता है कि कानून के किसी भी उपबंध का दुरुपयोग भी संभव है। सवाल सही जांच और साक्ष्यों का है, जिससे जुड़े कानून भी बदले गए हैं। इसी तरह धारा 103 के अंतर्गत नस्ल, जाति या समुदाय के नाम पर हत्या को हत्या के सामान्य अपराध से अलग श्रेणी में रखा गया है। उच्चतम न्यायालय ने 2018 में केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि 'मॉब लिंचिंग' के अपराध के लिए अलग कानून बनाया जाए। अब नस्ल, जाति, समुदाय आदि के आधार पर लिंचिंग के लिए न्यूनतम सात साल की कैद या आजीवन कैद या मृत्युदंड की सजा होगी। राजद्रोह कानून अब निरस्त हो जाएगा। वस्तुत: उच्चतम न्यायालय ने मई, 2022 में कहा था कि राजद्रोह का अपराध प्रथम दृष्ट्या अवैधानिक है और इसे समाप्त किया जाना चाहिए।

नए कानून के अनुसार सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना, असंतोष पर दंडात्मक प्रावधान नहीं होंगे, लेकिन इसमें देशद्रोह को नए अपराध के रूप में शामिल किया गया है। राष्ट्र के खिलाफ कोई भी गतिविधि दंडनीय होगी। महिलाओं और बच्चों को हिंसा से बचाने के लिए इसमें नए प्रावधान हैं। कानून में आतंकवाद को परिभाषित किया गया है। सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों, अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधि के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। गैंगरेप के लिए 20 साल की कैद या आजीवन जेल की सजा होगी।

मोदी सरकार के कार्यकाल में लोगों का खर्च बढ़ा

कमलेश पांडे

बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के मुकाबले तीसरी बार के कार्यकाल के लिए उनकी पार्टी भाजपा को जनादेश कम मिलने का रहस्य उनकी आर्थिक नीतियों में भी छिपा है, जो यह चुगली कर रहा है कि इनके पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में भारत के लोगों की शुद्ध बचत में गिरावट आई है, जबकि खर्च में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि उनकी सरकार के मातहत काम करने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-2024 बोल रही है।

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले एक दशक यानी मोदी युग में न केवल लोगों की शुद्ध बचत घटी है, बल्कि इसी बीच आई वैश्विक कोरोना महामारी के चलते भी लोगों के बचत करने के व्यवहार में आमूल चूल बदलाव आया है। यदि मोदी सरकार इसे समय रहते ही समझ गई होती तो उसे गठबंधन की बैशाखी पर चलने की जरूरत ही नहीं पड़ती और न ही 400 पार का सपना टूटता। अब बात करते हैं आरबीआई की इस रिपोर्ट की, जिसके मुताबिक, देशवासियों के बीच बचत कम होने के दो मुख्य कारण हैं- पहला यह कि अब लोग सोना-चांदी, जमीन-घर और म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। और दूसरा यह कि, लोगों का घरेलू खर्च यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, आम उपभोग आदि बढ़ा है, जिसकी वजह से शुद्ध वित्तीय बचत में भारी कमी दिखाई पड़ी है। बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी।

जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। इसी तरह से लोगों के पास शुद्ध वित्तीय बचत में भी 11.3 प्रतिशत की गिरावट आई है जो 2022-23 में गिरकर 28.9 प्रतिशत रह गई है, जबकि 10 वर्षों का औसत 39.8 प्रतिशत रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भले ही घरेलू बचत में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, लेकिन वह ज्यादा स्थाई नहीं रह पाई। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान कुल घरेलू बचत 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, परंतु उसके बाद जैसे ही लॉकडाउन खुला तो लोगों ने अपनी बचत को सम्पत्तियों के खरीदने पर खर्च करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही साथ लोगों की देनदारियों में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे नगदी के रूप में बचत गिरती चली गई। वहीं, कोरोना के बाद से लोग बचत को बैंक खातों में एफडी व अन्य रूप में रखने से बच रहे हैं। जबकि सम्पत्तियों को खरीदने के लिए कर्ज लेने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि कृषि और व्यवसायिक लोन में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी का 40 प्रतिशत घरेलू उधार हो गया है, जो दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाले देशों में इंडोनेशिया, मैक्सिको, पौलेंड और ब्राजील से अधिक है।

वहीं, आमलोगों के खर्चों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते शुद्ध रूप से वित्तीय बचत में गिरावट आई है। यदि मोदी सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के औसत के हिसाब से भी देखा जाए तो जीडीपी में शुद्ध बचत की हिस्सेदारी 2.7 फीसदी कम हो गई है। कहने का मतलब यह कि एक दशक पहले के आठ प्रतिशत से घटकर यह 2022-23 में 5.3 फीसदी पर आ गई है,जो चिंता की बात है। रिपोर्ट बताती है कि अब लोगों को शेयर बाजार से अच्छा रिटर्न मिल रहा है, जो किसी भी बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा दिये जाने वाले ब्याज से कहीं ज्यादा है। सामान्य तौर पर बैंकों में सात से आठ प्रतिशत का सालाना रिटर्न मिल रहा है, लेकिन शेयर बाजार में पैसा लगाने वालों को मोटा रिटर्न मिला है। खासकर निफ्टी में पैसा लगाने वालों को ठीक-ठाक रिटर्न मिला है। आंकड़े बता रहे हैं कि जहां निफ्टी 50 में पहले वर्ष 29 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 13 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 15 प्रतिशत का रिटर्न मिला है, वहीं निफ्टी मिडकैप 150 में पहले वर्ष 56 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 26 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 25 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 250 में पहले वर्ष 63 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 23 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 28 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। जबकि निफ्टी माइक्रोकैप 250 में पहले वर्ष 85 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 37 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 42 प्रतिशत का रिटर्न मिला है।

इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार के बीते एक दशक में जहां एक ओर लोगों का खर्च बेतहाशा बढ़ा है, वहीं आमदनी लुढ़की है और बचत घटी है। वहीं, सिर्फ शेयर धारक ही मालामाल हुए हैं। इस स्थिति से परेशान आमलोगों ने सरकार की इंजन पार्टी रही भाजपा का संख्या बल घटा दिया, ताकि वह अपने मित्र दलों की सलाह भी सुने और पूंजीवादी ताकतों के हाथों खेलने के बजाय आम लोगों के लिए भी सही नीति बनाए। यदि अब भी वह जनभावनाओं को दरकिनार करके चलेगी तो संभव है कि जनता उसके नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन को ही सत्ता से बाहर कर दे। इसलिए समय रहते सम्भलना जरूरी है, रिपोर्ट यही चुगली कर रही है।

हनुमान धारा झरना

राज्य के सिकरिया में हनुमान धारा झरना है, जिसे बिहार का दिल कहते हैं। यहां लंका में आग लगाने के बाद हनुमान जी के लिए भगवान श्रीराम ने झरने का निर्माण किया था। इसलिए, यह स्थान पवित्र और शांत है, जो आपके दिल को शांति से भर देगा। झरने की ऊंचाई 150 फीट है। चित्रकूट बस स्टैंड से झरना महज 5 किमी टूर है।

बिहार के इन पांच झरनों का लें आनंद

बिहार ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से देश का महत्वपूर्ण राज्य है, जहां कई पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहां बोधगया है, जो धार्मिक महत्व रखता है, नालंदा में देश का एक प्रमुख शिक्षा केंद्र है। राजगीर में विश्व शांति स्तूप है तो वहीं पटना में गुरुद्वारा पटना साहिब है। हालांकि प्राकृतिकता की दृष्टि से भी बिहार समृद्ध है। बिहार के पांच जलप्रपात बेहद खूबसूरत हैं, जिनका नजारा अद्भुत अनुभव की अनुभूति कराता है। अगर आप कभी बिहार आएं तो इन प्रसिद्ध और खूबसूरत झरने को जरूर देखने जाएं।

करकट जलप्रपात

राज्य के कैमूर जिले में कैमूर की पहाड़ियों में शानदार करकट झरना बसा है। इस झरने के पास लोग सैर सपाटे पर आना पसंद करते हैं। यहां पानी में नौका विहार, तैराकी और मछली पकड़ने की सुविधा उपलब्ध है। पास में ही कैमूर वन्यजीव अभयारण्य स्थित है। कैमूर में पर्यटकों के लिए करकटगढ़ जल प्रपात पर्यटन स्थल के रूप में है। यह जल प्रपात पहाड़ों के बीच से निकला अत्यंत ही खूबसूरत स्थल है।

ककोलत झरना

बिहार के नवादा जिले से लगभग 33 किमी दूर काकोलत जलप्रपात है जो कि 160 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है। इस झरने का पानी हर मौसम में ठंडा ही रहता है। गर्मियों की छुट्टियों में यह झरना स्थानीय लोगों के लिए किसी पिकनिट स्पॉट या हिल स्टेशन से कम नहीं होता। स्थानीय लोगों के अनुसार राजगीर और बोधगया आने वाले विदेशी पर्यटक नवादा के ककोलत वाटर फॉल्स को देखने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां आने वाले लोग इसे बिहार का कश्मीर कहते हैं।

तुतला भवानी जलप्रपात

बिहार के रोहतास क्षेत्र में तुतला भवानी जलप्रपात स्थित है। इसे तुतराही झरना भी कहते हैं। यह जलप्रपात देहरी ऑन सोन से कुछ किमी दूरी पर दक्षिण की ओर है। यह झरना दो विशाल पहाड़ियों के बीच से नीचे गिरता है। यहां पास में ही तारा चंडी मंदिर, नेहरू पार्क भी है।

धुआं कुंड जलप्रपात

बिहार के कुंड सासाराम से 10 किमी दूर कैमूर की पहाड़ी से धुआं कुंड नाम का झरना गिरता है। यह इतना विशाल और खूबसूरत है कि पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। झरने का जल बहुत तेज है और यहां रक्षाबंधन का मेला लगता है। इसका नाम धुंआ कुंड इसलिए पड़ा क्योंकि इतनी ऊंचाई से पानी गिरने के बाद चारों तरफ धुंध ही धुंध उठता है। इस जलप्रपात का आनंद लेने के लिए रोहतास से ही नहीं बल्कि कैमूर ,औरंगाबाद,भोजपुर और पटना के साथ साथ देश के अन्य राज्यों से भी पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

हंसना मना है

भिखारी- एक अदमी मुझसे पूछ रहा था कि मैं कितना कमा लेता हूं, लेकिन मैं कुछ भी नहीं बोला और चुप रहा। दूसरा भिखारी- ऐसा क्यों? भिखारी- मुझे शक था कि कहीं ये इनकम टैक्स वाला तो नहीं है।

पति (मरते समय अपनी बीवी से)- अलमारी से तेरे सोने के गहने मैंने ही चोरी किए थे, बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे जो एक लाख रुपये दिए थे, वो भी मैंने ही गायब किए थे, पत्नी- कोई बात नहीं, मैंने आपको माफ किया, पति- तेरी कीमती साड़ियां भी मैंने ही चोरी कर अपनी प्रेमिका को दे दिए थे, पत्नी- कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी तो मैंने ही दिया था, अब आप आराम से मर जाइए....!

पत्नी- काश मैं न्यूज पेपर होती, कम से कम तुम रोज मुझे हाथों में तो लेतें। पति- मैं ही यही सोचता काश तुम न्यूज पेपर होती, तो मुझे रोज नयी तो मिलती।

सहेली ने लड़की से पूछा- शादी की सारी तैयारी कर ली क्या? लड़की ने जवाब दिया- हां दोनों सिमकार्ड नाले में फेंक दिये, फोन तो पुरा फोर्मेट ही कर दिया! लड़की खुश होते हुए फेसबूक भी डिलीट कर दिया! बस तू अपना मुंह बंद रखना!

कहानी — मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी की चिकनी चुपड़ी बातों पर विश्वास करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चिता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मकर

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

रितेश देशमुख के साथ अजीबोगरीब घटना का सच बाहर लाएंगी सोनाक्षी

काकुड़ा का ट्रेलर हुआ जारी

बॉलीवुड | गपशप

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी शादी को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मगर इस बीच एक्ट्रेस के फैंस के लिए एक और गुड न्यूज आ गई है। सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा का ट्रेलर मेकर्स ने जारी कर दिया है। ट्रेलर रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर जमकर शेयर किया जा रहा है और फैंस फिल्में सोनाक्षी सिन्हा को देखने के लिए बेकरार हो रहे हैं। बता दें कि शादी के बाद से एक्ट्रेस की ये पहली फिल्म होगी। सोनाक्षी सिन्हा 23 जून को जहीर इकबाल के शाद शादी के बंधन में बंधी थी। अब एक्ट्रेस फिल्मी पर्दे पर वापसी करने को तैयार हैं। मुंजा' के निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने ही इस फिल्म का निर्देशन किया है जिसका ट्रेलर काफी दिलचस्प है। ट्रेलर में सोनाक्षी अन्धविश्वाश और श्राप के खिलाफ आवाज उठाते देखा जा रहा है। बता दें कि ककुड़ा किसी अजीबोगरीब घटना पर बनी फिल्म है, जो हर मंगलवार शाम 7:15 बजे होती है। फिल्म के ट्रेलर को देखकर आपको फिल्म स्त्री और मुंज्या की भी याद आ सकती है। क्योंकि फिल्म का कांसेप्ट काफी हद तक स्त्री से मिलता जुलता है। हालांकि इसका पता फिल्म की रिलीज के बाद चलेगा कि फिल्म की असली कहानी क्या है। कुछ दिन पहले फिल्म का पोस्टर जारी किया गया था। पोस्टर के कैप्शन में लिखा था, इंदिरा भूतों में विश्वास नहीं करती हैं, लेकिन काकुड़ा का गुस्सा काफी पर्सनल है। क्या वह इस गुस्से को संभाल पाएगी। बता दें कि इंदिरा फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार का नाम है।

जल्द ही वाणी कपूर संग रोमांस करेंगे फवाद खान

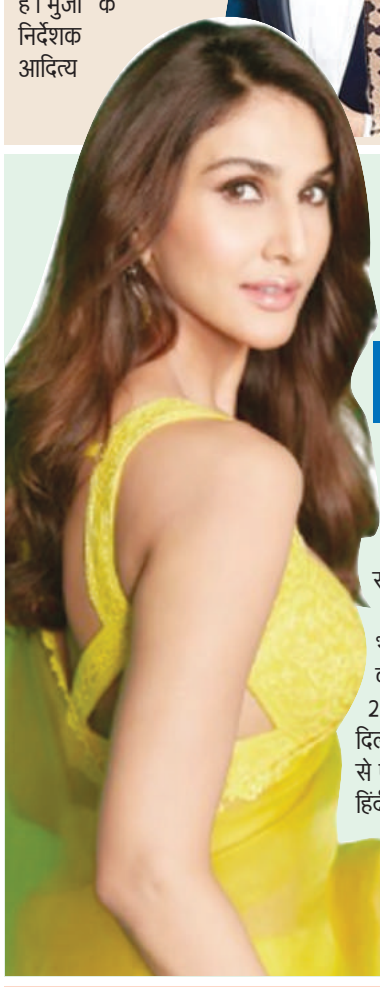

फवाद खान की फैन फॉलोइंग भारत में भी खूब है। जब उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा था, तब सभी उनके मुरीद हो गए थे। उनकी फिल्म खूबसूरत, कपूर एंड सन्स को दर्शकों का खूब प्यार करते हैं। इंडिया में भी फवाद की फैन फॉलोइंग काफी बड़ी है। हालांकि 2016 में आई फिल्म ए दिल है मुश्किल के बाद से फवाद किसी हिंदी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। ऊरी अटैक के बाद पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में बैन कर दिया गया था।

2023 में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक याचिका को खारिज किया था, जिसमें भारतीय नागरिकों, कंपनियों और संगठनों पर पाकिस्तानी कलाकारों, जैसे कि एक्टर, सिंगर, म्यूजिशियन, लिरिसिस्ट और टैक्नीशियन के साथ कोलेबरेट करने पर पूरी तरह से बैन लगाने को कहा गया था। जस्टिस न्यायमूर्ति सुनील बी शुक्रे और जस्टिस फिरदौस पी पूनीवाला की अध्यक्षता वाली अदालत ने ऐलान किया था कि याचिका सांस्कृतिक सद्भाव, एकता और शांति को बढ़ावा देने में एक प्रतिगामी कदम का प्रतिनिधित्व करती है और इसमें योग्यता का काफी अभाव है। फवाद खान इस अनटाइटल फिल्म में वाणी कपूर के साथ रोमांस करते हुए दिखने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग लंदन में की जानी तय हुई है। अभी तक इसके टाइटल के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है। जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू होगी और इससे जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो फवाद खान जल्द ही वेब सीरीज बरजाक में दिखने वाले हैं। इस सीरीज में उनके साथ सनम सईद लीड रोल में नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे डिप्रेशन तक ले गया था जिंदगी का अकेनापन : निमृत

टीवी शो छोटी सरदारनी से घर-घर में मशहूर हुई एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पिछले कुछ समय से लगातार किसी न किसी कारण खबरों में बनी हुई हैं। बिग बॉस सीजन 16 का हिस्सा बनने के बाद उनकी पॉपुलैरिटी और बढ़ चुकी है। ऐसे में एक्ट्रेस के चाहने वाले उनसे जुड़ी हर बात जानने के लिए बेताब रहते हैं। इसी बीच अब निमृत ने अपनी डिप्रेशन की समस्या पर खुलकर बात की है। हाल ही में निमृत ने खुलासा किया है कि छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे वक्त तक काम करने की वजह से उनकी यह समस्या शुरू हुई। एक्ट्रेस ने बताया कि उन दिनों वह अपनी जिंदगी में अकेलेपन से जूझ रही थीं और इसी कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। निमृत का कहना है कि डिप्रेशन से जूझना उनकी जिंदगी की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती रही है। निमृत का कहना है, टीवी सीरियल छोटी सरदारनी की शूटिंग के समय लंबे वक्त तक काम करने की वजह से मुझे अपने डिप्रेशन और चिंता के बारे में पता चला। इतने लंबे वक्त तक काम करने की वजह से मुझे बर्नआउट एंग्जाइटी होने लगी थी और इसी कारण मैं डिप्रेशन का सामना करने लगी। निमृत ने आगे कहा कि उन्होंने काम से 40 दिनों का ब्रेक किया था। एक्ट्रेस का कहना है कि ब्रेक के बावजूद उन्हें लगातार काम ही करना पड़ा। निमृत का कहना है कि ब्रेक लेने के बाद भी वह काम कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने एंटीडिप्रेसेंट लेना शुरू किया था। वहीं, एक साल बाद एक्ट्रेस ने होन्योपैथी दवाएं लेनी शुरू कर दी थीं। निमृत ने कहा कि जब वह बिग बॉस 16 में जाने वाली थीं तब उन्होंने घर में से जाने से करीब एक महीने पहले ही अपनी दवाइयां लेना बंद किया था। अब एक्ट्रेस डिप्रेशन की समस्या से बाहर आ गई हैं। गौरतलब है कि निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2019 में टीवी शो छोटी सरदारनी से की थी। इस शो ने एक्ट्रेस को घर-घर में एक खास पहचान दिलाई। इसके बाद निमृत बिग बॉस 16 का हिस्सा बनीं और यहां फैंस को उन्हें और करीब से जानने का मौका मिला। अब निमृत को खतरों के खिलाड़ी 14 में कंटेस्टेंट के तौर पर खतरों का सामना करते हुए देखा जाने वाला है।

शख्स ने खुद आग लगाकर फूंक दिया अपना 10 करोड़ का बंगला

दुनिया में कई तरह के लोग हैं। कई लोगों को बहुत गुस्सा आता है तो कई लोग हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। कई लोग चीजों को आराम से शांत दिमाग से सुलझाते हैं तो कई लोग छोटी-छोटी बातों में गुस्सा होकर अपना आपा खो देते हैं। लेकिन अक्सर लोग गुस्से में अपना ही नुकसान कर लेते हैं। बाद में जब उनका गुस्सा शांत होता है तो समझ आता है कि उन्होंने क्या कर दिया। ऐसा ही कुछ हाल ही में एक शख्स के साथ हुआ। दरअसल, एक शख्स ने खुद ही अपने करोड़ों के बंगले को आग लगाकर फूंक दिया। वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

दरअसल, ब्रिटेन के रहने वाले एक करोड़पति और नामचीन शख्स ने अपने ही बनाए बंगले को आग के हवाले कर दिया। उस शख्स ने ऐसा क्यों किया, इसके पीछे की वजह जानकर आप भी दंग रह जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 50 साल के गोल्फर फ्रांसिस मैकगिर्क ने ये कांड किया है। फ्रांसिस मैकगिर्क एक नामचीन शख्स हैं और जाने-माने गोल्फर रह चुके हैं। मैकगिर्क करोड़पति हैं और केंट के सैंडविच में उनका एक आलीशान बंगला है, जो सीधा समंदर की ओर फेस करता है। हाल ही में 25 जून को उन्होंने अपने इस लग्जरी बंगले में खुद आग लगा दी। इस दौरान उनका फैमिली डॉग अंदर ही था। वो तो गनीमत रही कि पड़ोसियों ने तुरंत ही फायरफाइटर्स को कॉल किया और कुत्ते की जान बच गई। बंगले को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। फ्रांसिस ने बंगले को आग लगाने से पहले अपनी पत्नी को मैसेज किया था कि वो घर को फूंकने जा रहे हैं। दरअसल उनकी पत्नी सराह से उनका तलाक का केस चल रहा था। ऐसे में उन्हें इस प्रॉपर्टी का हक न मिले, इसलिए फ्रांसिस ने इसमें आग लगा दी। पहले उन्होंने खाने वाले तेल से इसे फूंकना चाहा लेकिन बाद में कुशन के ज़रिये पूरे घर में आग लगा दी। जब ये मामला कोर्ट में पहुंचा तो जज भी वजह जानकर दंग थे। हालांकि फ्रांसिस को जेल नहीं हुई और उन्हें वॉर्निंग देकर छोड़ दिया गया।

अजब-गजब | उत्तराखंड में मौजूद है रहस्यमयी झरना

पापियों पर एक बूंद तक नहीं गिरता इस झरने का पानी, विदेशों से भी आते हैं श्रद्धालु

उत्तराखंड को देवभूमि नाम से जाना जाता है। यहां की खूबसूरत वादियां हर किसी का मन मोह लेती है। देवभूमि उत्तराखंड में तमाम तीर्थ स्थल और धार्मिक आस्था के स्थल मौजूद हैं। जहां हर साल हजारों लोग तीर्थ और भ्रमण करने के लिए आते हैं। इसके साथ ही उत्तराखंड में कई प्राकृतिक झरने भी मौजूद हैं जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। आज हम आपको एक ऐसे झरने के बारे में बताने जा रहे हैं जो बेहद खूबसूरत है लेकिन इस झरने की खास बात इसका रहस्यमयी होना है। क्योंकि इस झरने का पानी ऐसे लोगों पर नहीं गिरता जो पापी होते हैं।

ऐसा माना जाता है कि चमोली जिले के बद्रीनाथ में मौजूद झरना पापी व्यक्तियों के स्पर्श मात्र से ही गिरना बंद कर देता है। ये बात सुनकर भले ही आपको यकीन न हो लेकिन बात बिल्कुल सच है। दरअसल, बद्रीनाथ से करीब 8 किलोमीटर और भारत के आखिरी गांव माणा से पांच किमी दूर समुद्रतल से 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस अद्भुत जल प्रपात यानी झरने को वसुधारा नाम से जाना जाता है, जिसका उल्लेख शास्त्रों में भी

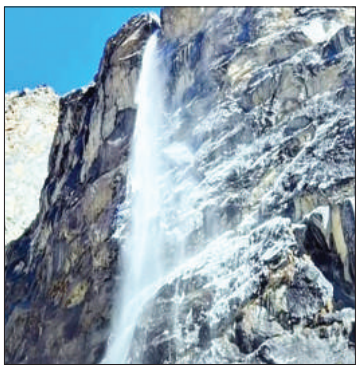

मिलता हैं। यह झरना बेहद ही पवित्र माना जाता है जो अपने अंदर कई रहस्य समेटे हुए है। यह झरना करीब 400 फीट ऊंचाई से गिरता है और इसकी पावन जलधारा सफेद मोतियों के समान नजर आती है, जो बेहद ही खूबसूरत है।

यहां आकर लोगों को ऐसा लगता है मानो वह स्वर्ग में पहुंच गए हों। इस झरने के सुंदर मोतियों जैसी जालधारा यहां आए लोगो को स्वर्ग की अनुभूति कराती है। इस झरने की खास बात यह है कि इसके नीचे जाने वाले हर व्यक्ति पर इस झरने का पानी नहीं गिरता। ऐसा कहा जाता है कि इस पानी की बूंदें पापियों के तन पर नहीं पड़ती। ग्रंथों में कहा गया है कि यहां पंच पांडव में से सहदेव ने अपने प्राण त्यागे थे। इसके बारे में मान्यता है कि यदि इस जलप्रपात के पानी की बूंद किसी व्यक्ति के ऊपर गिर जाए तो समझ जाये कि वह एक पुण्य व्यक्ति है। जिस कारण देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु यहां आकर इस अद्भुत और चमत्कारी झरने के नीचे एक बार जरूर खड़े होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस झरने का पानी कई जड़ी-बूटियों वाले पौधों को स्पर्श करते हुए गिरता है, जिसमें कई जड़ी बूटियों के तत्व शामिल होते हैं, इसलिए इसका पानी जिस किसी इंसान पर पड़ता हैं, उसकी काया हमेशा के लिए निरोग हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि यहां अष्ट वसु (आप यानी अयज, ध्रुव, सोम, धर, अनिल, अनल, प्रत्यूष व प्रभाष) ने कठोर तप किया था, इसलिए इस जल प्रपात का नाम वसुधारा पड़ गया। यह जल प्रपात इतना ऊंचा है कि पर्वत के मूल से शिखर तक एक नजर में नहीं देखा जा सकता।

लोगों को गुमराह करना मोदी की आदत : खरगे

राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सदन में झूठ बोल रहे थे पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान विपक्षी दल राज्यसभा से बहिर्गमन कर गए क्योंकि वह झूठ बोल रहे थे। उन्होंने मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करना प्रधानमंत्री की आदत है। उन्होंने कहा कि हमने वॉकआउट किया क्योंकि पीएम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन को संबोधित कर रहे थे और उन्होंने सदन को कुछ गलत बातें बताईं। झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें कहना उसकी आदत है। मैंने अभी उनसे पूछा है कि जब वे संविधान की बात कर रहे थे तो संविधान आपने नहीं बनाया था, आप लोग उसके विरोध में थे।

मैं सिर्फ यह स्पष्ट कर रहा था कि कौन लोग संविधान के पक्ष में और कौन विरोधी थे। खरगे ने आगे कहा कि उन्होंने (आरएसएस) संविधान का विरोध किया है। उन्होंने बीआर अंबेडकर और पंडित नेहरू का पुतला जलाया। वह बार-बार कहते हैं कि हमने बीआर अंबेडकर का अपमान किया, उन्होंने वहां (लोकसभा में) यह कहा और वह आज भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहता था कि बाबा साहब के पास क्या है संविधान सभा में क्या कहा और आरएसएस ने ऑर्गेनाइजर में क्या लिखा है। एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह (मल्लिकार्जुन खरगे) संवैधानिक पद पर हैं। चाहे प्रधानमंत्री हों या सदन के सभापति, उनका सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन आज यह सब नजरअंदाज कर दिया गया और इसलिए पूरा विपक्ष उनके साथ है, और इसलिए हम बाहर चले गए।

प्रधानमंत्री गलत तथ्य पेश कर रहे थे : प्रमोद तिवारी

राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री गलत तथ्य पेश कर रहे थे, गलत जानकारी दे रहे थे तो विपक्ष के नेता कुछ सही तथ्य पेश करने के लिए, सच्ची जानकारी देने के लिए खड़े होते हैं। विपक्ष के नेता ने तथ्यों, आंकड़ों और किताबों के साथ बार-बार कोशिश की, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। इसलिए जब सदन में सच सामने नहीं आने दिया जा रहा था और झूठ बोला जा रहा था तो विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में पूरा विपक्ष वॉकआउट कर गया।

मणिपुर पर स्थिति सामान्य नहीं है : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राज्यसभा में मणिपुर की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की। सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि राज्यसभा में मोदी ने कहा कि मणिपुर में हिंसा कम हो रही है और राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्कूल फिर से खोल दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति लौट आये। रमेश ने एक्स पर कहा कि आज राज्यसभा में इस मुद्दे पर महीनों की पूर्ण चुप्पी के बाद, गैर-जैविक पीएम ने आश्चर्यजनक दावा किया कि मणिपुर में स्थिति सामान्य है। विपक्ष ने पहले आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री जानबूझकर मणिपुर की स्थिति से मुंह मोड़ रहे हैं। संसद में उनके भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने बार-बार मणिपुर से जुड़े नारे लगाए। रमेश ने कहा कि वास्तव में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है, जैसा कि आंतरिक मणिपुर के सांसद ने 1 जुलाई को लोकसभा में बताया था। और गैर-जैविक प्रधान मंत्री ने 3 मई, 2023 की रात को हुए विस्फोट के बाद से अभी तक मणिपुर का दौरा नहीं किया है और न ही उन्होंने राज्य के राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की है। राष्ट्रपति का अभिभाषण भी इस मुद्दे पर मौन था।

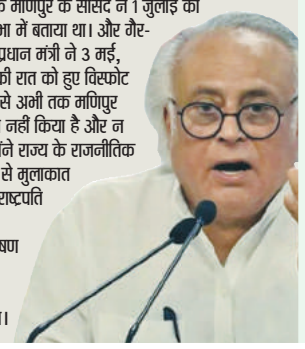

संक्षिप्त खबरें

आडवाणी की फिर बिगड़ी तबीयत अपोलो अस्पताल में हुए भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी को बिती रात 9 बजे डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। वे निगरानी में हैं। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अपोलो अस्पताल की ओर से यह जानकारी दी गई है। बीते सप्ताह भी पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी एम्स नई दिल्ली में भर्ती हुए थे। डॉक्टर ने उन्हें फॉलोअप में आने के लिए सलाह दी थी। बुधवार को उनकी तबीयत बिगड़ गई। 96 वर्षीय आडवाणी को बुधवार देर रात दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। जानकारी के मुताबिक, 26 जून बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उन्हें भर्ती कराया गया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। वह 2014 के बाद से ही सक्रिय राजनीति से दूर हैं। हाल ही में उनकी तस्वीर सामने आई थी, जब एनडीए संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे मिलने उनके घर गए थे और उनका आशीर्वाद लिया था।

छात्रा पर एसिड फेंकने वाला मुठभेड़ में पकड़ा गया

लखनऊ। लखनऊ के चौक इलाके में बुधवार सुबह एक छात्रा पर शोहदे ने एसिड फेंक दिया। उसको बचाने के फेर में उसका मौसेरा भाई भी चपेट में आ गया। दोनों झुलस गए। दोनों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। वहीं, बुधवार की देर रात एसिड अटैक करने वाला युवक पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी है। वारदात लखनऊ के गुलालाघाट में हुई। आरोपी का असली नाम अभिषेक वर्मा है। वह लखीमपुर का रहने वाला है। व्यापार मंडल के एक पदाधिकारी की 22 वर्षीय बेटी बुधवार सुबह आठ बजे लोहिया पार्क के पास मौसेरे भाई के साथ खड़ी थी। इसी बीच शोहदा उसके पास पहुंचा और कुछ बातचीत की और वहां से चला गया। इसके बाद अचानक वापस लौटकर उस पर एसिड फेंक दिया। जैसे ही एसिड फेंका उसका भाई आगे आ गया जिससे उस पर भी एसिड पड़ गया।डीसीपी पश्चिम दुर्गेश कुमार ने बताया कि दोनों काफी दहशत में हैं। इलाज जारी है। स्थिति सामान्य होने पर उनसे बातचीत कर जानकारी ली जाएगी। दूसरी तरफ सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने तफ्तीश शुरू की। देर रात मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

हेमंत के विधायक दल का नेता बनने पर गरमाई सियासत

» बीजेपी ने झामुमो पर किया तीखा हमला

» सीएम चंपई सोरेन ने दिया इस्तीफा, हेमंत का मुख्यमंत्री बनना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में एकबार फिर हेमंत सोरेन के सीएम बनने तय हो गया है। बदलते राजनीतिक घटना क्रम के बाद राज्य की सियासत भी गरमा गई है। बीजेपी ने झामुमो पर हमला बोला है। पार्टी की ओर से कहा गया फिर से परिवारवादी सरकार का उदय हो रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

राज्य की राजनीति में हलचल की सुगबुगाहट आज दोपहर से ही तेज हो गई थी। चंपई के इस्तीफे के साथ ही यह तय हो गया है कि हेमंत जेएमएम गठबंधन के विधायक दल के नेता होंगे। राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने के बाद चंपई सोरेन ने कहा, 'बैठक में हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया है। इसे लेकर सभी विधायकों ने सहमति जताई है।

अभी जेल में ही रहेंगे सीएम केजरीवाल

» 12 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज ऐवन्यू कोर्ट ने 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईडी ने कोर्ट में पेश किया था। इससे पहले बीती 29 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई ने पेश किया गया था।

सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था।

मोदी को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने हवाई दुर्घटना की साजिश रचने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने के दावे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा से प्रतिबंधित करने की मांग वाली अपील को खारिज कर दी। साथी ही कोर्ट ने कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप काल्पनिक और बेबुनियाद हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मननमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि वे एकल न्यायाधीश से सहमत हैं, जिन्होंने पहले याचिका खारिज कर दी थी। खंडपीठ ने संबंधित पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ), उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और जिला न्यायाधीश को चिकित्सा स्वास्थ्य अधिनियम के प्रावधानों के मद्देनजर उस पर नजर रखने का निर्देश दिया।

सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत 25 तक बढ़ी

आबकारी नीति से जुड़े मनी लाड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज ऐवन्यू कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ाई। आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत खत्म हो गई थी, जिसके बाद उन्हें पेश किया गया है। मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, ईडी ने 9 मार्च 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उधर, के कविता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मार्च को उन्हें हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

लापरवाही और भ्रष्टाचार का दूसरा नाम नगर निगम

» लगभग 2 साल से लंबित है भवन का नामांतरण, दौड़भाग में फरियादी के लाखों रुपए बर्बाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम जोन 2 पर लगने वाले आरोपों का सिलसिला थम नहीं रहा है । घरों पे नाम थे नामों के साथ ओहदे थे, बहुत तलाश किया कोई आदमी न मिला- बशीर बद्र साहब की यह लाइन मामले को बयान कर रहीं है। वहीं एक तरफ लखनऊ नगर आयुक्त इन्द्र जीत सिंह नगर निगम की छवि सुधारने का हर संभव प्रयास कर रहें है वहीं दूसरी तरफ कुछ अधिकारी/कर्मचारियों के भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण फरियादियों को नगर निगम भटकना पड़ रहा है।

मामला ऐशबाग वार्ड, एलडीए कालोनी का

बता दें कि भवन स्वामी के पास सभी स्वामित्व के दस्तावेज होने के बाद भी एक झूठी शिकायत पर उसका नाम नगर निगम के अभिलेखों से हटाकर पुन: मृतक का नाम दर्ज कर के टैक्स मृतक के नाम से वसूल किया जा रहा है। जोन-2 के भवन संख्या एमआईजी-37 का है। वर्ष 2020 में भवन का नामांतरण भवन स्वामी मनुदिप शर्मा के नाम हुआ था जिसमें मनुदीप के द्वारा स्वामित्व के सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाए गए थे। साथ ही लखनऊ विकास प्राधिकरण के द्वारा मनुदीप के पक्ष में निष्पादित फ्री होल्ड डीड होने के बाद भी नगर निगम लखनऊ के तत्कालीन कर अधीक्षक चन्द्र शेखर यादव द्वारा पीड़ित मनुदीप शर्मा का नाम नगर निगम के अभिलेखों से हटा दिया गया। बताते चलें उक्त भवन मनुदीप शर्मा के पिता व माता के देहांत के बाद मनुदीप को एक लौते विधिक उत्तराधिकारी होने के नाते प्राप्त हुआ।

कार्यवाही से बच रहे वर्तमान जोनल अधिकारी

वहीं वर्तमान में तैनात जोनल अधिकारी दिव्यांशु पाण्डेय भी उक्त प्रकरण में कोई कार्यवाही करने को तैयार नहीं हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक जोनल अधिकारी पाण्डेय पीड़ित मनुदीप के मामा के पड़ोसी है जिसकी वजह वह कार्यवाही करने से बच रहें हैं। जोनल अधिकारी पुराने अधिकारियों का नाम लेकर कहते हैं की जब पुराने अधिकारियों ने आप का काम नहीं किया तो मैं क्यों करूं । जोनल अधिकारी उक्त प्रकरण में शांत दिखते है और पीड़ित से मिलने और उसका फोन उठाने से बचते हैं । हैरानी वाली बात है कि नोडल अधिकारी अरुण कुमार गुप्ता के द्वारा उपरोक्त मामला संज्ञान लेने के बाद भी आखिर जोनल क्यों शांत है और कार्यवाही के नाम पर पत्राचार कर के समय व्यतीत कर रहें हैं।

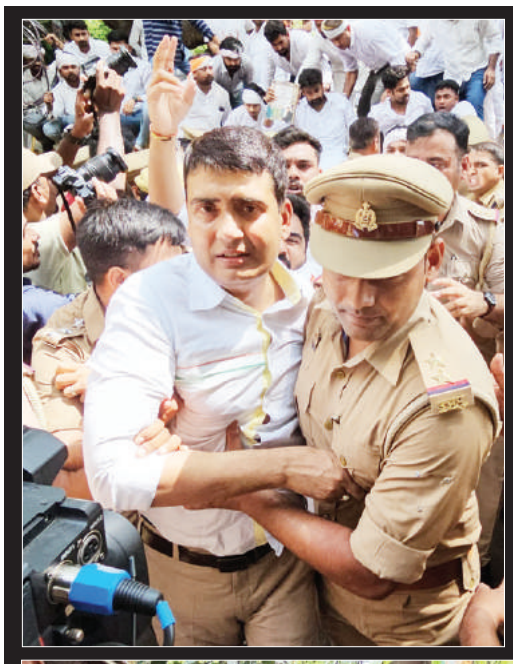

फोटो: सुमित कुमार

प्रदर्शन लखनऊ में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नीट सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपरलीक मामले को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा घेरने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने बैरिकेटिंग करके प्रदर्शनकारियों को रोक दिया।

विपक्ष के प्रहार से जागी बिहार सरकार

सीएम बोले- पुराने पुलों की समीक्षा की जाए, विधानसभा चुनाव से पहले जमीन सर्वे करने के भी निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में पिछले 11 दिनों 15 पुल धराशाई हो गए। उसको लेकर एनडीए सरकार पर विपक्ष ने तीखा प्रहार शुरू दिया है। चारो तरफ से हो रहे हमले के बाद नीतीश सरकार की नींद खुली है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि हर हाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में जमीन सर्वे का काम पूरा करवा लें। साथ ही राज्य के पुलों की भी समीक्षा करने के निर्देश दिया है।

वहीं विभाग की ओर से मुख्यमंत्री को जुलाई 2025 से पहले तक काम पूरा कर लेने का भरोसा दिलाया गया है। दरअसल, सीएम सचिवालय में नियुक्त पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नव चयनित 9888 अमीन, कानूनगो और अन्य कर्मचारियों को नियुक्त पत्र देते वक्त सीएम नीतीश कुमार ने नियुक्ति पत्र दिया। इसी कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को जमीन सर्वे का काम पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने भी पुराने पुल हैं, उसकी स्थिति की जानकारी लें और स्थल पर जाकर निरीक्षण करें। सभी पुलों के रखरखाव के लिये उचित कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जो भी निर्माणाधीन पुल हैं, उसका निर्माण कार्य गुणवतापूर्ण तरीके से ससमय पूर्ण करायें।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा धड़ाम होते पूलों का मामला, दायर हुई जनहित याचिका, ऑडिट की उठी मांग

पिछले दो सप्ताह में नौ पुलों के ढहने की रिपोर्ट के बाद बिहार में सभी पुलों के संरचनात्मक ऑडिट की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में बिहार सरकार को सभी मौजूदा पुलों और निर्माणाधीन पुलों का उच्चतम स्तरीय संरचनात्मक ऑडिट करने और कमजोर ढांचे को ध्वस्त करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिहार में पिछले 15 दिनों में नौ पुल ढह गए। जनहित याचिका में सभी पुलों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन की प्रार्थना की गई है। याचिका में शीर्ष अदालत से बिहार सरकार को सभी मौजूदा पुलों और निर्माणाधीन पुलों का उन्नत संरचनात्मक ऑडिट करने का निर्देश देने की मांग की गई है। यह जनहित याचिका बुधवार को तीन और पुलों के ढहने के बाद आई है। इन तीन में से दो कथित तौर पर सीवान में और एक सारण जिले में ढह गया। बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और पुलों के रखरखाव के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया।

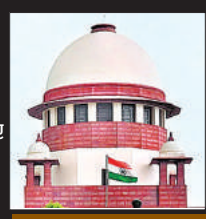

राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय समिति बनाई

इससे पहले बिहार के ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी ने बिहार में पुलों के ढहने की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की थी।

2005 से बिहार के सभी क्षेत्रों में लगातार विकास के कार्य किये जा रहे

सीएम नीतीश कुमार ने एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में पथों एवं पुलों के रखरखाव को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से बिहार के सभी क्षेत्रों में लगातार विकास के कार्य किये जा रहे हैं। लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिये बड़ी संख्या में पथों एवं पुलों का निर्माण कराया गया है। हमलोगों का उद्देश्य सिर्फ बेहतर सड़क और पुलों का निर्माण करना ही नहीं है बल्कि उसका बेहतर रखरखाव करना भी है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने निर्णय लिया था कि पुलों के रखरखाव के लिये मेंटेनेंस पॉलिसी बनायी जाय। पथ निर्माण विभाग ने पुलों की मेंटेनेंस पॉलिसी बना ली है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग को भी पथ निर्माण विभाग के मेंटेनेंस पॉलिसी के अनुरूप शीघ्र मेंटेनेंस पॉलिसी तैयार करने का निर्देश दिया।

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने पद छोड़ा

» दस दिन पहले मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपा था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के कृषि मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ी मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उनके एक सहयोगी ने यह जानकारी दी। हालांकि आधिकारिक रूप से अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। मंत्री मीणा के एक सहयोगी ने कहा, डॉ किरोड़ी मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने दस दिन पहले मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपा था।

वहीं किरोड़ीलाल मीणा ने पार्टी से नाराजगी की खबरों को खारिज करते हुए कहा, नाराजगी का कोई कारण नहीं है और मैंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मीणा हाल ही में कैबिनेट की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। इस पर उन्होंने कहा, जब मैंने इस्तीफा दे दिया तो नैतिक रूप से मैं वहां जा नहीं सकता। मुख्यमंत्री जी से मैं मिला था। उन्होंने आदरपूर्वक कहा था कि आपका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। मैंने मुख्यमंत्री जी से कहा- चूंकि मैं जनता के बीच घोषणा कर चुका हूं कि अगर हम यह सीट (दौसा) नहीं जीते तो मैं इस्तीफा दे दूंगा, इसलिए मैंने ऐसा किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।